राजकीय महाविद्यालय केकड़ी

विज्ञान दिवस

■ महाविद्यालय में विज्ञान दिवस का हुआ आयोजन

केकड़ी @ जागरूक जनता। राजकीय महाविद्यालय मे प्रसिद्ध भौतिकशास्त्री व नोबल पुरस्कार विजेता चन्द्रशेखर वेंकट रमन की याद में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पीयूष गुप्ता ने की तथा बताया कि समाज एवं विज्ञान दोनो अटूट है। वातावरण में होने वाली घटनाओं का वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए प्रेरित किया। अनिल कुमार गुप्ता सह आचार्य भौतिक शास्त्र द्वारा भौतिक वैज्ञानिक चन्द्रशेखर वेंकट रमन के स्पेक्ट्रोस्कॉपी के क्षेत्र में महत्पूर्ण खोज, जिसे रमन प्रभाव कहा जाता है, के बारे में विस्तार से बताया। यह दिन रमन प्रभाव की खोज को समर्पित है। उन्होंने भारतरत्न वेंकट रमन के काशी हिन्दु विश्वविद्यालय 1948 में दीक्षांत समारोह में दिए व्याख्यान का उल्लेख कर बताया कि भारतीय मेघा किसी भी प्रकार से अन्यों से कम नहीं है। उनके द्वारा प्रकाश प्रकीर्णन का सिद्धान्त संक्षेप में बताते हुए श्री वैकट रमन के देश प्रेम, मातृ भाषा प्रेमी, मानवीय गुणो से परिपूर्ण स्वत्रता संग्राम में योगदान जैसे उनके गुण हमारे वर्तमान विद्यार्थीयों को विज्ञान के प्रति आर्कषित कर विज्ञान की जागरूकता के बारे में बताया।

महाविद्यालय में विज्ञान दिवस का हुआ आयोजन

केकड़ी। राजकीय महाविद्यालय मे प्रसिद्ध भौतिकशास्त्री व नोबल पुरस्कार विजेता चन्द्रशेखर वेंकट रमन की याद में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ० पीयूष गुप्ता ने की तथा बताया कि समाज एवं विज्ञान दोनो अटूट है। वातावरण में होने वाली घटनाओं का वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए प्रेरित किया। अनिल कुमार गुप्ता सह आचार्य भौतिक शास्त्र द्वारा भौतिक वैज्ञानिक चन्द्रशेखर वेंकट रमन के स्पेक्ट्रोस्कॉपी के क्षेत्र में महत्पूर्ण खोज, जिसे रमन प्रभाव कहा जाता है, के बारे में विस्तार से बताया। यह दिन रमन प्रभाव की खोज को समर्पित है। उन्होंने भारतरत्न वेंकट रमन के काशी हिन्दु विश्वविद्यालय 1948 में दीक्षांत समारोह में दिए व्याख्यान का उल्लेख कर बताया कि भारतीय मेघा किसी भी प्रकार से अन्यों से कम नहीं है आवश्यकता है कि हम हीन भावना की ग्रन्थी को दूर कर अपना सर्वस्व देश को समर्पित करने को तत्पर रहे। उनके द्वारा प्रकाश प्रकीर्णन का सिद्धान्त संक्षेप में बताते हुए श्री वैकट रमन के देश प्रेम, मातृ भाषा प्रेमी, मानवीय गुणो से परिपूर्ण तथा कर्तव्य निर्वहन हेतु तत्पर स्वत्रता संग्राम में योगदान जैसे उनके गुण हमारे वर्तमान विद्याथीर्यों को विज्ञान के प्रति आर्कषित कर विज्ञान की जागरूकता के बारे में बताया। कोमल सोनी ने दैनिक जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने हेतु प्रेरित किया। डॉ० शिखा माथुर ने भारत के भविष्य के लिए युवको की वैज्ञानिक दृष्टि का महत्व बताया। डां नरेंद्र चौधरी ने विज्ञान को परिभाषित करते हुऐ प्रकृति के साथ व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त करने को प्रेरित किया। विज्ञान के छात्र एवम छात्राओ ने बढ़-चढ़कर पोस्टर एवम फोटोग्राफी की प्रतियोगिता मे हिस्सा लिया। कार्यक्रम में डॉ. बी.एल जाट , डॉ. नमिता शर्मा , रणवीर सिंह उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन छात्र सुनील नागर ने किया तथा अंत में एमएससी प्राणीशास्त्र की छात्रा निशा सैनी ने आभार व्यक्त किया ।

महाविद्यालय में विज्ञान दिवस का हुआ आयोजन

केकड़ी 28 फरवरी (का.सं.)। राजकीय महाविद्यालय मे प्रसिद्ध भौतिकशास्त्री व नोबल पुरस्कार विजेता चन्द्रशेखर वेंकट रमन की याद में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ0 पीयूष गुप्ता ने की तथा बताया कि समाज एवं विज्ञान दोनो अटूट है। वातावरण में होने वाली घटनाओं का वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए प्रेरित किया। अनिल कुमार गुप्ता सह आचार्य भौतिक शास्त्र द्वारा भौतिक वैज्ञानिक चन्द्रशेखर वेंकट रमन के स्पेक्ट्रोस्कॉपी के क्षेत्र में महत्पूर्ण खोज, जिसे रमन प्रभाव कहा जाता है, के बारे में विस्तार से बताया। यह दिन रमन प्रभाव की खोज को समर्पित है। उन्होंने भारतरत्न वेंकट रमन के काशी हिन्दु विश्वविद्यालय 1948 में दीक्षांत समारोह में दिए व्याख्यान का उल्लेख कर बताया कि भारतीय मेघा किसी भी प्रकार से अन्यों से कम नहीं है आवश्यकता है कि हम हीन भावना की ग्रन्थी को दूर कर अपना सर्वस्व देश को समर्पित करने को तत्पर रहे। उनके द्वारा प्रकाश प्रकीर्णन का सिद्धान्त संक्षेप में बताते हुए श्री वैकट रमन के देश प्रेम,

मातृ भाषा प्रेमी, मानवीय गुणो से परिपूर्ण तथा कर्तव्य निर्वहन हेतु तत्पर स्वत्रता संग्राम में योगदान जैसे उनके गुण हमारे वर्तमान विद्यार्थीयों को विज्ञान के प्रति आर्कषित कर विज्ञान की जागरूकता के बारे में बताया। कोमल सोनी ने दैनिक जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने हेतु प्रेरित किया। डॉ0 शिखा माथुर ने भारत के भविष्य के लिए युवको की वैज्ञानिक दृष्टि का महत्व बताया। डां नरेंद्र चौधरी ने विज्ञान को परिभाषित करते हुऐ प्रकृति के साथ व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त करने को प्रेरित किया। विज्ञान के छात्र एवम छात्राओ ने बढ़-चढ़कर पोस्टर एवम फोटोग्राफी की प्रतियोगिता मे हिस्सा लिया। कार्यक्रम में डॉ. बी.एल जाट , डॉ. नमिता शर्मा ,रणवीर सिंह उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन छात्र सुनील नागर ने किया तथा अंत में एमएससी प्राणीशास्त्र की छात्रा निशा सैनी ने आभार व्यक्त किया ।